हो करम सरकार | By Zartaj Kesar

या रसूल अललाह करम हो हो या रसूल अल्ला
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार
जान ओ दिल तुम पर फ़िदा ऐ दो जहाँ के ताजदार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

मैं अकेला और मसाइल ज़िन्दगी के बेशुमार
आप ही कुछ कीजिये ना ऐ शाहे अली वक़ार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

याद आता है तवाफ़े खाना ए काबा मुझे
और लिपटना मुल्तज़ाम से वालिहाना बार बार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

या रसूल अल्लाह सुन लीजे मेरी फरियाद को
कौन है जो की सुने तेरे सिवा मेरी पुकार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

काफिले वालो सुनो याद आये तो मेरा सलाम
अर्ज़ करना रोते रोते हो सके तो बार बार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

गुम्बद ए ख़ज़रा के जलवे और वो इफ्तारियाँ
याद आती है बहुत रमज़ान ए तैबा की बहार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

ग़मज़दा यूँ ना हुआ होता उबैदे क़ादरी
इस बरस भी देखता गर सब्ज़ गुम्बद की बहार
हो करम सरकार अब तो हो गए ग़म बेशुमार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%ae-%e0%a4%b8%e0%a4%b0%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b0-by-zartaj-kesar/